

प्रज्ञमलुह ग्रोक्टो (LESSON-3)

ෆීਟෆළෆ (SOLUTIONS)

टेंटहार्ग लक्षा

ण्य अर्थे भारति र विक्र

हालामहाक्रात्र = क्रिक्स हैस्र $= \pi$ हालामलाजा

स्रभए सम्र = E28

= **ਸ॰**ш ਜ਼ਸ਼, ਟੈੰਘੀਂਘ ਜ਼ਸ਼ ात्रु भाग्ने

= ऐ४ देंश्रेण सत्रे जेशण स्पेण **സ്നമ്മന്സ്**

जगर्यक्र = प्रेन्नप्रधार

मिटिम (%) = प्रिकट क्षेत्र चित्र मिटिम (%)

भेटए

ധ്യവുമ मिल्रामाथ के क्यां मामका है के अपने का अपने कि का अपने कि अपन कि अपने कि अपन कि अपने कि अपन कि अपने कि अपने कि अपने कि अपने कि अ (स्लिमि स्लिम १९८१-लिमले, स्विजा, रहस्सिम्, एमिन्स्, टर्स्निम्, നटक, ല്യൂടംക, टटूर्घकरुक, लेमरुक, प्रदानरुरुक, सिसेपले, एरोठ, ചലൻറ്റുള്ള, സ്റ്റുലും, പ്രൂലും, പ്രൂലും പ്രാവലും പ്രവലും പ്രാവലും പ്രവലും പ്രവേദ്യം പ്രവലും പ)F EDUCATION **ന്ലെസാപ്പ**)

्र उद्धर्णमा भार्राक्र हमभूष प्रशेष मिष्टि

॥ उदर्गा भारीरूर हुएभ॰भुर प्रार्थिक प्रार्थिक विकास

ऋडिल स्थानिक द्रियाम् सिट्नि?

गोद्धः त्रेष्ठए र्देशेणस्म सिए।।

गोद्धः सलेण सला रेंड प्रात्ति प्रताप सेंडिंग प्रताप स्थाप प्रताप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप നम्बर्धिक क्रा

8॥ स्थानभाषा व्यवस्था क्रिक्ट क्षेत्रह देवेणक्ष स्थान स्थान

गोद्धः गेभ्५, प्रेक्रटे, ग्रोभ्ना क्रम् प्रमुख्य प्रभाव प्रम्य प्रभाव प

९॥ र्वाप्रश्यार गेक्स्ब्रा मिक्स्मिक स्वापन सक्ति है जाइन्यार गेक्स्बर्ग स्वापन सक्ति है जाइन्यार गेक्स्बर्ग स

गोञ्चः त्रहण्डलेख गेथ्या सिरमात्रमा व्याप्त स्वरंग प्रत्येष प्रत

९॥ त्रित्रण्ण्यात्राह्म सम्बद्धाः स्वाहित्र स्वाहित्यः व्यवस्थान

॥ रिर्श्चर पासूग्र रापर्विभेत एश्वर प्राथम ह्यार रहेपारि रहेपारि रहेपारि एस स्थार

अ॥ ज्ञष्ट्रजिष्ण दमरुष्टम जाजूषण्डलेष्ण **प्राधा जूमेषा** देशिकाण्य

भाष्ट्रीय प्रहण्याधित स्वर्धित हुण्याधित हुण्याधित प्रहण्याधित हुण्याधित ह

॥ इत प्राप्त हैं है , स्वर्ण प्राप्त है है , स्वर्ण प्राप्त है , स

गोञ्चः ठाठ्रपण्डलेण प्रेठिक गाण्याचि हैं व विस्तानी टाउ के व विद्याण प्रेठिक गाण्याचि हैं के व विस्तानी एविव्याण प्रेठिक विष्ठ विस्तानी सलेक सामाने प्रतान हैं कि विश्व (629) के उत्तर स्वान के विस्तान से विस्